भजन

माया के मोड़ पर मिल गये हो अगर
अब तो मिलने मिलाने का वायदा करो
1- तस्कीने दिल के वास्ते वायदा तो कीजिए
हम जानते हैं आप से आया न जायेगा
आ गये हो तो जाने की जिद्द न करो
जा रहे हो तो आने का वायदा करो
2- यह माना कि उलफत का दस्तूर है
प्यार की यह अदा हमको मंजूर है
रूठना है जरूरी तो रूठो मगर
बाद में मान जाने का वायदा करो
3-मुझसे बिछुड़े तो खुद ही गुम हो जाओगे
उजालों की दुनियां में खो जाओगे
मेरी तारीकी रातों के जुगनू हो तुम
रोशनी में ना आने का वायदा करो
4- आंसुओ से तो सब राज खुल जायेंगे
खयानत मुहब्बत में हो जायेगी
मेरे महबूब तुम हो अमानत मेरी
गम में भी मुस्कुराने का वायदा करो
5- हम ही शाहिद हैं और आप को भी है पता
बात आगे बढ़ाने से क्या फायदा
जब निभाने की हिम्मत नहीं है तो फिर
सारे वायदे भुलाने का वायदा करो